उद्यमी कृषि क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने पर काम करें: हरिओम

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पाथवे टू एम्प्लॉयमेंट समिट में प्रमुख सचिव हरिओम मौजूद रहे।

- रोजगार और उद्यमशीलता के क्षेत्र में संभावनाओं पर चर्चा
- इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में समिट में जुटे विशेषज्ञ

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने की जरूरत है ताकि ग्रामीण युवाओं को घर के नजदीक रोजगार मुहैया कराया जा सके। औद्योगिक कम्पनियों को ग्रामीण इलाकों में कृषि क्षेत्र से जुड़े उद्योग बढ़ाने चाहिये। इससे युवा आत्मनिर्भर बनेंगे। यह बातें व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने गुरुवार को गोमतीनगर के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पाथवे टू एम्प्लॉयमेंट समिट में कहीं।

उन्होंने कहा कि नीतियां बनाने के साथ उन्हें प्रभावी तरीके से अमल में लाने पर काम करें। युवाओं को रोजगार से जोड़ने और देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने पर काम करने की जरूरत है। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता, प्राविधिक शिक्षा विभाग और मेधा फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में करीब 110 औद्योगिक संगठनों के प्रबंधकों और प्रतिनिधियों ने रोजगार और उद्यमशीलता में नई संभावनाओं पर चर्चा की। प्राविधिक शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव नरेंद्र भूषण ने कहा कि उद्योग व शिक्षा में मजबूत तालमेल से बेहतर अवसर दिए जा सकते हैं।

उद्योगों की जरूरत के अनुसार पाठ्यक्रम बनाएं

महानिदेशक प्राविधिक शिक्षा अविनाश कृष्ण सिंह ने कहा कि आईटीआई व पालीटेक्निक में डिप्लोमा व तकनीकी पाठ्यक्रमों को उद्योगों की जरूरत के अनुसार बनाया जाए। मौजूदा समय में रोजगार के अवसर मुहैया कराने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पढ़ाने की जरूरत है। एआई, साइबर व डेटा प्रबंधन के पाठ्यक्रम शामिल किये जाने चाहिये। कई पुराने पाठ्यक्रम की जरूरत नहीं है। इनकी सीटें खाली जा रही हैं।